AICTE- VAANI Sponsored

2-DAY NATIONAL CONFERENCE ON

AI/ML FOR SUSTAINABLE AGRICULTURE

Organized by

Department of Biotechnology

KASHI INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MIRZAMURAD, VARANASI

(A NAAC - 'A' accredited autonomous institution)

2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

टिकाऊ कृषि के लिए ए.आई/एम.एल

आयोजक

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

काशी प्रौद्योगिकी संस्थान, मिर्जामुराद वाराणसी

(NAAC - A ग्रेड प्राप्त एक स्वायत्त संस्थान)

SACN TO REGISTER

(OCTOBER 28 – 29, 2025)

(28-29 अक्टूबर, 2025)

LINK- HTTPS://ATALACADEMY.AICTE.GOV.IN/LOGIN

REGISTRATION THROUGH ATAL PORTAL

(ALL CONFERENCE PAPERS WILL BE ACCEPTED IN HINDI/ENGLISH LANGUAGE, MOST PREFERABLY IN HINDI)

PARTICIPATION IS FREE

ABOUT THE AICTE VAANI SCHEME

The AICTE VAANI (Voice for Advancement and Assimilation of National Ideas) Scheme is an innovative initiative by the All India Council for Technical Education. It aims to promote bilingualism in technical education by supporting the organization of conferences, seminars, and workshops in both English and regional Indian languages. The scheme encourages inclusivity, enabling participants from diverse linguistic backgrounds to engage in meaningful academic exchange. By fostering bilingual conferences, VAANI promotes accessibility to research, technology, and innovation for students and faculty more comfortable in regional languages. This initiative aligns with the vision of the National Education Policy (NEP) 2020, which emphasizes education in mother tongues. Institutes can receive financial assistance under this scheme to organize bilingual events across disciplines. It promotes regional language development in technical vocabulary, bridging the gap between global knowledge and local context. The AICTE VAANI scheme also supports the creation of glossaries and translations in technical subjects. Through bilingual conferences, it encourages deeper community engagement and public outreach.

Objectives:

- To promote technical education and research in Hindi alongside English.
- To provide a forum for academicians, researchers, and industry experts to share innovations in Agriculture.
- To encourage interdisciplinary collaboration between Engineering, Agriculture, and allied fields.
- To enhance awareness and accessibility of technical knowledge in regional languages.
- To inspire students and professionals to contribute to indigenous Agricultural solutions

Expected Outcomes :

- Encouragement of regional language technical content creation
- Publication of research articles in bilingual language
- Networking opportunities for academia-industry collaboration.
- Increased participation of Hindi-speaking professionals in Tech discussions.

Last date for registration : 10th October 2025

Registration form: LINK- HTTPS://ATALACADEMY.AICTE.GOV.IN/LOGIN

ELIGIBILITY: The conference is open to faculty members, scientists, post-doctoral fellows, Ph.D., M.Tech and M.Sc, M.Pharma and allied course of life sciences.

Registration Fee: No registration fee is to be paid by the participants (limited to 50)

How to Register:
1. Visit: https://atalacademy.aicte-india.org/login
2. Sign up as a participant and fill in your details.
3. After login select from the drop down menu - FDPs → VAANI → October → Agrotech & Food Processing → Face to Face. (Use Ctrl+F and search for FDP Application No: 2101644708)
4. Register for the program (Application no: 2101644708) titled "AI/ML FOR SUSTAINABLE AGRICULTURE".

* Registration Fee: NIL

एआईसीटीई वाणी योजना के बारे में

एआईसीटीई वाणी (राष्ट्रीय विचारों के उत्थान एवं समावेशन हेतु स्वर) योजना अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की एक अभिनव पहल है। इसका उद्देश्य अंग्रेजी और क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के आयोजन को समर्थन प्रदान करके तकनीकी शिक्षा में द्विभाषिकता को बढ़ावा देना है। यह योजना समावेशिता को प्रोत्साहित करती है और विविध भाषाई पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों को सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान में सक्षम बनाती है। द्विभाषी सम्मेलनों को बढ़ावा देकर, वाणी क्षेत्रीय भाषाओं में अधिक सहज छात्रों और शिक्षकों के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और नवाचार तक पहुँच को बढ़ावा देती है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो मातृभाषाओं में शिक्षा पर ज़ोर देती है। संस्थान इस योजना के तहत विभिन्न विषयों में द्विभाषी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह तकनीकी शब्दावली में क्षेत्रीय भाषा के विकास को बढ़ावा देती है और वैश्विक ज्ञान और स्थानीय संदर्भ के बीच की खाई को पाटती है। एआईसीटीई वाणी योजना तकनीकी विषयों में शब्दावलियों और अनुवादों के निर्माण का भी समर्थन करती है। द्विभाषी सम्मेलनों के माध्यम से, यह गहन सामुदायिक जुड़ाव और जन-जन तक पहुँच को प्रोत्साहित करती है।

उद्देश्य:

- अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों को कृषि में नवाचारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- इंजीनियरिंग, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के बीच अंत:विषय सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान के बारे में जागरूकता और पहुँच बढ़ाना।
- छात्रों और पेशेवरों को स्वदेशी कृषि समाधानों में योगदान देने के लिए प्रेरित करना।

अपेक्षित परिणाम :

- क्षेत्रीय भाषा में तकनीकी सामग्री निर्माण को प्रोत्साहन
- द्विभाषी भाषा में शोध लेखों का प्रकाशन
- शैक्षणिक-उद्योग सहयोग के लिए नेटवर्किंग के अवसर।
- तकनीकी चर्चाओं में हिंदी भाषी पेशेवरों की भागीदारी में वृद्धि।

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 10 अक्टूबर 2025

पंजीकरण फॉर्म: LINK- HTTPS://ATALACADEMY.AICTE.GOV.IN/LOGIN

पात्रता: यह सम्मेलन संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, पोस्ट-डॉक्टरल फेलो, पीएचडी, एम.टेक और एम.एससी, एम.फार्मा, और जीवन विज्ञान के संबद्ध पाठ्यक्रम के लिए खुला है।

पंजीकरण शुल्क: प्रतिभागियों द्वारा कोई पंजीकरण शुल्क नहीं देना है (50 तक सीमित)

How to Register:

1. Visit: https://atalacademy.aicte-india.org/login
2. Sign up as a participant and fill in your details.
3. After login select from the drop down menu - FDPs → VAANI → October → Agrotech & Food Processing → Face to Face. (Use Ctrl+F and search for FDP Application No: 2101644708)
4. Register for the program (Application no: 2101644708) titled "AI/ML FOR SUSTAINABLE AGRICULTURE".

* Registration Fee: NIL

ABOUT THE INSTITUTE

Kashi Institute of Technology, established in 2008 in the holy city of Varanasi, is dedicated to shaping future leaders through quality education in engineering and management. The institute is an autonomous, NAAC A-grade accredited institution, approved by AICTE. Over the years, KIT has rapidly advanced in academic excellence, student placements, and has received recognitions such as the Education Excellence Awards.

In an era of fast-paced global development, KIT prepares students with the skills, mindset, and spirit needed to lead in a diverse and dynamic world. Committed to fostering leadership, service, and holistic development, KIT offers a challenging and enriching educational environment in the spiritual and cultural heart of India.

ABOUT THE DEPARTMENT

The Department of Biotechnology was established in the year 2020 with an undergraduate Engineering program (B.Tech) in Biotechnology with the objective of providing new paths for a successful career in the field of Technology. Since its inception, the Department has continuously grown and taken initiatives to impart quality education and inculcate research ability in Biotechnology students. The department is actively engaged in research activities in various areas of Biotechnology and related fields. Major research focus areas are herbal cosmetics and medicine, Biomaterials, Tissue Engineering, Nanoparticles synthesis and their biomedical applications, Antibiotic resistance, Bioremediation. The Department has experienced faculty from premium institute, highly trained in various biotechnological discipline, who are engaged in research and consulting work with view to develop practical solutions for mankind. The Department has one central laboratory and one research laboratory having all the facilities for teaching and research.

संस्थान के बारे में

पवित्र नगरी वाराणसी में 2008 में स्थापित काशी प्रौद्योगिकी संस्थान, अभियांत्रिकी और प्रबंधन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से भावी नेतृत्वकर्ताओं को आकार देने के लिए समर्पित है। यह संस्थान एक स्वायत्त, NAAC A-ग्रेड मान्यता प्राप्त संस्थान है, जिसे AICTE द्वारा अनुमोदित किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में, KIT ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और छात्र नियोजन में तेज़ी से प्रगति की है और शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार जैसे सम्मान प्राप्त किए हैं।
तेज़ गति वाले वैश्विक विकास के इस युग में, KIT छात्रों को विविध और गतिशील दुनिया में नेतृत्व करने के लिए आवश्यक कौशल, मानसिकता और उत्साह से युक्त करता है। नेतृत्व, सेवा और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध, KIT भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक हृदय में एक चुनौतीपूर्ण और समृद्ध शैक्षिक वातावरण प्रदान करता है।

विभाग के बारे में

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2020 में जैव प्रौद्योगिकी में स्नातक इंजीनियरिंग कार्यक्रम (बी.टेक) के साथ की गई थी, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक सफल करियर के लिए नए रास्ते प्रदान करना था। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग लगातार विकसित हुआ है और जैव प्रौद्योगिकी के छात्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और अनुसंधान क्षमता विकसित करने के लिए पहल की है। विभाग जैव प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। प्रमुख अनुसंधान फोकस क्षेत्र हर्बल सौंदर्य प्रसाधन और चिकित्सा, बायोमटेरियल, ऊतक इंजीनियरिंग, नैनोकणों का संश्लेषण और उनके जैव चिकित्सा अनुप्रयोग, एंटीबायोटिक प्रतिरोध, बायोरेमेडिएशन हैं। विभाग में देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों से शिक्षा प्राप्त अनुभवी शिक्षक विभाग में हैं, जो विभिन्न जैव प्रौद्योगिकी विद्याओं में उच्च प्रशिक्षित हैं, जो मानव जाति के लिए व्यावहारिक समाधान विकसित करने के उद्देश्य से अनुसंधान कार्य में लगे हुए हैं।

ABOUT VARANASI

Varanasi, also known as Kashi or Benaras, is one of the oldest living cities in the world and holds immense spiritual significance in Hinduism. Considered the abode of Lord Shiva, it is believed that dying here leads to salvation. The Ganges River, which flows through the city, is seen as a purifier of sins. A historic center of learning and culture for over 3000 years, Varanasi has been a cradle for knowledge, arts, music, and spiritualism. It is also linked to Buddhism and Jainism, with Sarnath nearby and the birthplace of Tirthankar Parsvanath. Renowned personalities like Goswami Tulsi Das, Munshi Prem Chand, Ustad Bismillah Khan, and Pt. Ravi Shankar are associated with this cultural capital. Home to institutions like BHU and the Theosophical Society, Varanasi has contributed to Ayurveda, yoga, Sanskrit, and classical Indian music. It is also known for its rich crafts, especially silk and brocade weaving.

वाराणसी के बारे में

वाराणसी, जिसे काशी या बनारस के नाम से भी जाना जाता है, दुनिया के सबसे पुराने जीवंत शहरों में से एक है और हिंदू धर्म में अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व रखता है। भगवान शिव का निवास माने जाने वाले इस शहर में मृत्यु को प्राप्त करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। शहर से होकर बहने वाली गंगा नदी को पापों से शुद्ध करने वाली माना जाता है। 3000 से अधिक वर्षों से शिक्षा और संस्कृति का एक ऐतिहासिक केंद्र, वाराणसी ज्ञान, कला, संगीत और अध्यात्म का उद्गम स्थल रहा है। यह बौद्ध और जैन धर्म से भी जुड़ा है, पास में ही सारनाथ और तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्मस्थान है। गोस्वामी तुलसी दास, मुंशी प्रेम चंद, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान और पंडित रविशंकर जैसी प्रसिद्ध हस्तियां इस सांस्कृतिक राजधानी से जुड़ी हैं। बीएचयू और थियोसोफिकल सोसाइटी जैसे संस्थानों का घर, वाराणसी ने आयुर्वेद, योग, संस्कृत और शास्त्रीय भारतीय संगीत में योगदान दिया है।

PLACES TO VISIT

Sri Kashi Vishwanath Temple, Sankat Mochan, Hanuman Mandir, 84 Ganga ghats., Sarnath, Ram Nagar Fort, BHU, Swarved Mandir.

घूमने के स्थान

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, संकट मोचन, हनुमान मंदिर, 84 गंगा घाट, सारनाथ, राम नगर किला, बी.एच.यू., स्वर्वेद मंदिर।

CONFERENCE THEME

It will provide a forum to innovative ideas and technologies in Smart Farming, precision agriculture, yield prediction, and disease detection, AI-Powered Supply Chains, reducing food waste, Digital Agriculture, Sustainable Agro-Ecosystems, AgriTech startups and Innovations, AI for Climate Resilience and Environmental science and technology etc.

सम्मेलन का विषय

इस सम्मेलन का उद्देश्य स्मार्ट एवं, सटीक कृषि, उपज का अनुमान और रोग का पता लगाने, एआई-संचालित आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य अपशिष्ट को कम करने, डिजिटल कृषि, टिकाऊ कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र, एग्रीटेक स्टार्टअप और नवाचार, जलवायु अनुकूलन और पर्यावरण विज्ञान आदि के लिए नवीन विचारों और प्रौद्योगिकियों के लिए एक मंच प्रदान करता है।

ORGANISING COMMIITTEE

Chief Patron

Prof. (Dr.) T. G. Sitharam

Chairman, AICTE

Patron

Prof. JP Pandey

Vice chancellor, Dr. A.P.J.Abdul Kalam Technical University, Lucknow

Dr. Vipul Jain

Vice chairman, Kashi Group of Institutions

Co-patron

Dr. AK yadav

Dr. DM Srivastava

Coordinator

Dr. Sanjay Kumar Vishwakarma

Co- coordinator

Dr. Shailendra Singh Shera

Organizing secretary

Er. Aharnish Maurya

Co- organizing secretary

Dr. Shahnawaz

Advisory board

Prof. M.P. Singh

University of Allahabad, Prayagraj

Dr. Rajesh Kumar

ICAR-IIVR, Varanasi

Dr. Sushil Kumar Sharma

ICAR-NIBSM, Raipur

Prof. R.M. Banik

IIT-BHU, Varanasi

Prof. Gyanseshwar Chaubey

BHU, Varanasi

Prof. Vinod Kumar Nigam

BIT, Mesra, Ranchi

Dr. Dinesh Prasad

BIT, Mesra, Ranchi

Dr. Devendra Kumar

LPU, Phagwara

आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक

प्रो. (डॉ.) टी. जी. सीतारम

अध्यक्ष, एआईसीटीई

संरक्षक

डॉ. जेपी पांडे

कुलपति, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ

डॉ. विपुल जैन

उपाध्यक्ष, काशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस

सह संरक्षक

डॉ. एके यादव

डॉ. डीएम श्रीवास्तव

संयोजक

डॉ. संजय कुमार विश्वकर्मा

सह संयोजक

डॉ. शैलेन्द्र सिंह शेरा

आयोजन सचिव

ई. अहर्निश मौर्य

सह आयोजन सचिव

डॉ. शाहनवाज

सलाहकार बोर्ड

प्रो. एम.पी. सिंह

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. राजेश कुमार

आईसीएआर-आईआईवीआर, वाराणसी

डॉ. सुशील कुमार शर्मा

आईसीएआर-एनआईबीएसएम, रायपुर

प्रो. आर.एम. बानिक

आईआईटी-बीएचयू, वाराणसी

प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे

बी.एच.यू., वाराणसी

प्रो. विनोद कुमार निगम

बीआईटी, मेसरा, रांची

डॉ. दिनेश प्रसाद

बीआईटी, मेसरा, रांची

डॉ. देवेन्द्र कुमार

एलपीयू, फगवाड़ा

KEY NOTE SPEAKERS

मुख्य वक्ता

Prof. Dr. Aparajita Ojha

Professor
(Computer Science and Engineering Department
IIITDM, Jabalpur)

प्रो. डॉ. अपराजिता ओझा

प्रोफेसर
(कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग
आईआईआईटीडीएम, जबलपुर)

Dr. Saurabh Pratap

Associat Professor
(Department of Mechanical Engineeirng
IIT, BHU)

डॉ. सौरभ प्रताप

एसोसिएट प्रोफेसर
(मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग
आईआईटी, बीएचयू)

Dr. Rajeev Pratap Singh

Associate Professor
(Institute of Environment & Sustainable
Development, Banaras Hindu University)

डॉ. राजीव प्रताप सिंह

एसोसिएट प्रोफेसर
(पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, बनारस हिंदू
विश्वविद्यालय)

Mr. Emroz Sardar

(Chief Executive Officer at AirOne | Chief
Technology Officer at Maverick | UAV Engineer
- VTOL & Multirotor | QSR Investor)

श्री इमरोज़ सरदार

(मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एयरवन | मुख्य प्रौद्योगिकी
अधिकारी, मेवरिक | यूएवी इंजीनियर - वीटीओएल और
मल्टीरोटर | क्यूएसआर निवेशक)

Prof. Dr. Ajay Kalamdhad

Professor of Environmental Engineering
(Department of Civil Engineering
IIT, Guwahati)

प्रो. डॉ. अजय कलमधड़

प्रोफेसर, पर्यावरण इंजीनियरिंग
(सिविल इंजीनियरिंग विभाग
आईआईटी, गुवाहाटी)

Dr. Bansh Narayan Singh

Managing Director
(Urban Agrotech Farm Pvt. Ltd., Mehndiganj,
Varanasi)

डॉ. बंश नारायण सिंह

प्रबंध निदेशक
(अर्बन एग्रोटेक फार्म प्राइवेट लिमिटेड, मेहंदीगंज, वाराणसी)

Dr. Vijay Kumar

CEO
(Urban Agrotech Farm Pvt. Ltd., Mehndiganj,
Varanasi)

डॉ. विजय कुमार

सीईओ
(अर्बन एग्रोटेक फार्म प्राइवेट लिमिटेड, मेहंदीगंज, वाराणसी)

Dr. Rajesh Kumar

Director
ICAR-Indian Institute of Vegetable
Reaserch, Varanasi

डॉ. राजेश कुमार

निदेशक
(आईसीएआर-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान,
वाराणसी)

AICTE-**V**ibrant **A**dvocacy for **A**dvancement and **N**urturing of **I**ndian Languages

Kashi Institute of Technology

(An autonomous institute accredited by NAAC - A grade)

28th Oct - 29th Oct 2025 Day

Conference On

AI/ML for Sustainable Agriculture

Emerging Field: Agrotech & Food processing

In Hindi

Scheduled Dates: 28th Oct to 29th Oct 2025

Conference Schedule

Day	Morning Session			Afternoon Session	
1	Session I **Prof. Dr. Aparajita Ojha** Professor (Computer Science and Engineering Department IIITDM, Jabalpur) Topic: Disease diagnosis and corrective action using AI/ML	Session II **Dr. Saurabh Pratap** Associat Professor (Department of Mechanical Engineeirng IIT, BHU) Topic: IoT in Agriculture		Session III **Dr. Rajeev Pratap Singh** Associate Professor (Institute of Environment & Sustainable Development, Banaras Hindu University) Topic: Agro waste management	Session IV **Mr. Emroz Sardar** (Chief Executive Officer at AirOne | Chief Technology Officer at Maverick | UAV Engineer - VTOL & Multirotor) Topic: Application of drone technology in agriculture
2	Session V **Prof. Dr. Ajay Kalamdhad** Professor (Department of Civil Engineering IIT, Guwahati) Topic: Smart agro waste management	Session VI Expert **Dr. Bansh Narayan Singh** Managing Director (Urban Agrotech Farm Pvt. Ltd., Mehndiganj, Varanasi) Topic: Mushroom cultivation		Session VII Expert **Dr. Vijay Kumar** CEO (Urban Agrotech Farm Pvt. Ltd., Mehndiganj, Varanasi) Topic: Fermantative production of silage for sustainable agriculture	Session VIII **Dr. Rajesh Kumar** Director (ICAR-Indian Institute of Vegetable Research, Varanasi) Topic: Sustainable agriculture

Name & Contact details of Coordinator: Dr. Sanjay Kumar Vishwakarma
Contact details: Department of Biotechnology
Kashi Institute of Technology, Varanasi
Mobile no.: +91-9936933975
Email ID: drsanjaykv@kahiit.ac.in